भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 14

दिनांक 17.07.2017 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्तर प्रदेश में धर्मिक और पर्यटन स्थलों के लिए स्वच्छ भारत मिशन की धनराशि का आबंटन

14. श्री किरनमय नन्दाः

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या उत्तर प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर कोई विशेष ध्यान दिया गया है;
(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा राज्य के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर कराए गए कार्य का ब्यौरा क्या है;
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(घ) इस प्रयोजनार्थ आगरा, वाराणसी, इलाहाबाद और मथुरा आदि शहरों को कितनी–कितनी धनराशि अबंटित की गई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी)

(क) जी हां। वर्ष 2016 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/कॉर्पोरेटों और उत्तर प्रदेश सरकार की सहायता से स्वच्छ प्रसिद्ध स्थलों (एसआईपी) पहल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश से आगरा में ताजमहल और वाराणसी में मणिकर्निका घाट को चुना गया है।

(ख) सरकार द्वारा आगरा में ताजमहल में और वाराणसी में मणिकर्निका घाट में कराए गए कार्य का ब्यौरा निम्नलिखित है:

(i) ताजमहल, आगरा, उत्तर प्रदेश : तिमाही (दिसंबर-फरवरी 2017) के लिए, पीएसयू (जीएआईएल) की साझेदारी में स्थल पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए काफी कार्य किए गए हैं। कुछ मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:

- ताजमहल के पश्चिम में पुराने नालों को पुनर्जीवित/पूर्ण किया गया है।
- ताजगंज क्षेत्र में स्टोर्म वाटर ड्रेनेज की सफाई का कार्य प्रगति पर है।
- 8000 से अधिक स्ट्रीट लाइट प्वाइंट्स स्थापित किए गए हैं और इनका रखरखाव नियमित रूप से किया जाता है।

- इस प्रसिद्ध स्थल के निकट लगभग 12 किमी. नालियों को साफ किया गया है।
- डीएम, नगर आयुक्त और अन्य अधिकारियों की जिला स्तरीय टीम द्वारा ताजगंज क्षेत्र में प्रसिद्ध स्थल के निकट रह रहे समुदायों को जागरूक बनाना एवं उन्हें भागीदार बनाना।
- स्थल के चारों ओर प्लास्टिक की थैलियों के प्रयोग को बंद करने हेतु जन-जागृति के लिए आईईसी अभियान।
- 4 स्थानों पर प्री-फैब/पोर्टेबल शौचालयों के प्रावधान हेतु कार्य आदेश जारी किया गया।

(ii) मणिकर्निका घाट, वाराणसी

तिमाही (दिसंबर-फरवरी 2017) के लिए पीएसयू (जीएआईएल) की साझेदारी में स्थल पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए काफी कार्य किए गए हैं। किए गए कुछ प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं:

- एचएफएल में बोट एंकर सुविधा पूरी कर ली गई है।
- प्रमुख स्टेकहोल्डरों विशेष रूप से डोम समुदाय के साथ बातचीत एक निरंतर प्रक्रिया है।
- शहरी विकास मंत्रालय की सीएसआर सहायता से 14 वार्डों और घाटों की सफाई एक सतत् कार्यकलाप है।
- पर्यटन मंत्रालय की निधियों की सहायता से जैव-शौचालय/चैंजिंग रूम्स, वाटर एटीएम, बेंचों आदि का प्रावधान प्रक्रियाधीन है।
- नगर निगम की सहायता से डंपिंग स्थल का विकास और अतिक्रमण हटाना एक निरंतर कार्य है।
- केबल बिछाने और धर्मशालाओ के पुनरुद्धार की संतोषजनक प्रगति।
- ईईएसएल (एचआरआईडीएवाई) के हिस्से के रूप में हैरिटेज लाइट का प्रावधान आयोजना के चरण में है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) उपर्युक्त प्रसिद्ध स्थलों पर विकास कार्य, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/कॉर्पोरेट और उत्तर प्रदेश सरकार की सहायता से चलाए गए। इस प्रयोजनार्थ उत्तर प्रदेश सरकार को केंद्र सरकार द्वारा अलग से कोई निधियां नहीं दी गई है।